

Cypermethrin 0.25% DP (Insecticide)

Cypermethrin 0.25% D.P. is a highly effective synthetic pyrethroid compound which contains 0.25% Cypermethrin active ingredient w/w and balance adjuvants.

Recommendations:

Crop(s)	Common name	Dosage/Ha	Formu	Waiting period
			Al	dilution
			lotion	between last
		(gm)	(kg)	(ltr)
Brunjal	Fruit & Shoot Borer	50-60	20-24	-
		50-60	20-24	3

Direction of Use:

P.P. Equipment: Knapsack below duster, manually operated duster, motorised knapsack sprayer cum duster.

Precautions: 1) Keep away from foodstuffs, empty foodstuff, containers and animals food. 2) Avoid contact with mouth, eyes and skin. 3) Avoid inhalation the dust particles. Dust in the direction of wind. 4) Wash thoroughly the he contaminated clothes and parts of the body after dusting. 5) Do not smoke, drink, eat and chew anything while dusting. 6) Wear full protective clothing while dusting.

Symptoms: Nervousness, anxiety, tremor, convulsions, skin allergies, sneezing, running nose and irritation may occur.

First Aid : P1 If swallowed, do not induce vomiting or give liquid orally. 2) If clothing and skin are contaminated, remove the clothes and wash the contaminated skin with copious amount of soap and water. 3. If eyes are contaminated, flush with plenty of saline/clean water for about 10 to 15 minutes. 4) If inhaled, remove the patient to fresh air.

Phytotoxicity : The product is not phytotoxic when used as per field recommendation.

Antidote : No specific antidote is known, Treat symptomatically. Antihistamines may be given to control allergies.

Storage : 1. The packages containing the insecticides shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly food articles or shall be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the quantity and nature of the insecticide. 2. The rooms or premises meant for storing the insecticides shall be well built, dry, well-lit, ventilated and sufficient dimensions to avoid contamination with vapours.

Disposal Of Used Container: 1. The packages shall be broken and buried away from habitation. 2. The packages shall be not left to prevent their re-use. 3. The used packages or surplus materials and washing from the machine the container shall be disposed off in safe manner so as to prevent environment and water pollution.

Chemical Composition :

Cypermethrin (based on 100% w/w a.i.)	0.25% w/w
Precipitated Silica	9.75 % w/w
Moisture	0.05 % w/w
Talc	QS % w/w
Total	100.00 % w/w

Caution : Not to be used on crops other than specified on this label/leaflet.

सायपरमेथ्रिन ०.२५ प्रतिशत डी.पी.

(कीटनाशक)

यह एक अति प्रभावकारी सिस्टेटिक पेराप्लोथ कीटनाशक है। जिसमें ०.२५ प्रति सायपरमेथ्रिन सक्रिय तत्व बाकी अन्य सहयोगी पदार्थ है।

उपयोगः

फल	फल के नाम	प्रति हेक्टेयर मात्रा	अन्तिम डिवर्काव
स.तत	संरचना	पानी की तर्ह फरत करने	
(ग्राम)	(फिल्म)	मात्रा	के बीच अन्तर (लिटर)
बैंगन	फल तथा प्रसेट छेदक	५०-६०	२०-४८
		-	३

उपयोग के लिये निर्देशः

उपयोग में आने वाले यंत्र : नेपसेक विलो डस्टर, हाथ से चलने वाला डस्टर तथा मोटर से चलने वाला डस्टर आदि।

सावधानियाँ : १. खाद्य पदार्थ एवं पशु आहार से दूर रखें। त्वचा सम्पर्क से बचें। कीटनाशकों न सूखें डिब्बों गैस-भरा होने के कारण ये जमीन पर न गिराएं और न ही इसमें छिप रखें। कीटनाशक को खाद्य पदार्थ, बर्तनों, पिंडों, पालती मधुतियों एवं मनूषों पर न करें। उपयोग के दौरान खाना पीना तथा धूमपान करना मना है।

विषवाचार के लक्षणः घबराहट, परेशानी, कंपकपी, छड़के (मिरगी), त्वचा में खुलालहट, छीक आना, नाक बहना तथा जलन हो सकते हैं।

प्राथमिक चिकित्सा : १. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा कोई पदार्थ न दें। २. यदि कपड़े और त्वचा दूषित हो जाएं तो दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं। ३. यदि आंखे दूषित हो जाये तो उनको काफी मात्रा में सैलाइन-साफ पानी से लगभग १०-१५ मिनट तक धोएं। ४. यदि सौंस द्वारा अन्दर गया हो तो रोपी को शुद्ध हवा में ले जायें।

पौधविशाक्तता : सुझाव की मात्रा के अनुसार प्रयोग करने पर यह कीटनाशक पौधविशाक्त नहीं है। लक्षणानुसार इलाज करें। एलर्जी के लिए एन्टीहिस्ट्रिमिन्स दिए जा सकते हैं।

खाली डिब्बों का निपटारा : १. कीटनाशक निर्माताओं या उपयोग कर्ता का कर्तव्य है कि खाली डिब्बों को तोड़ कर जमीन में निवास तथा दूर सूखी में गाढ़ दे। २. प्रयोग किए डिब्बों को दुबारा काम में लेना रोकने के लिए बाहर न छोड़ें। ३. डिब्बों या बची हुई सामनी या धोवन का निपटारा इस प्रकार करें कि पानी, वातावरण दूषित न हो।

संग्रहण की शर्त : १. फफूंदनाशक के डिब्बों को अलग कर्मरों में रखियें तथा अन्य पदार्थों को रखने वाले जगह से दूर रखियें। २. फफूंदनाशक के रखनेवाला कमरा या जगह सूखी हवादार मज़बूत बनावट रोशनीदार तथा बड़े आकार वाली होनी चाहिए माकि हवा दूषित न हो। ५

रासायनिक संरचना:

सायपरमेथ्रिन स.त. (भारानुसार १००% स.त. पर आधारित)

०.२५% भार/भार

प्रेसिपिटेटेड सिलिका

९.७५% भार/भार

नमी

०.०५% भार/भार

टाल्क

% भार/भार

योग

१००.००% भार/भार

सावधानी : लेवल / पत्रिका पर निर्देशित फसलों के अलवा अन्य

फसलों पर प्रयोग करना मना है।

साइपरमेथ्रिन ०.२५% डिपि (कीटनाशक)

साइपरमेथ्रिन ०.२५% डिपि, एक एकत्रित अत्यांश्वकार्यक्रम सिस्टेमिक पाइरेथ्रोयेट्रेड योग यात्रे ०.२५% साइपरमेथ्रिन सक्रिय उपादान W/W एवं भारानुसार सहायक उपादान रखते हैं।

सुपारिशः

Crop(s)	Common name	Dosage/Ha	Waiting period
		Formu	
		AI	
बैंगन	फल तथा प्रसेट छेदक	५०-६०	२०-४८
		-	३

उपयोग के लिये निर्देशः

उपयोग में आने वाले यंत्र :

नेपसेक विलो डस्टर, हाथ से चलने वाला डस्टर तथा मोटर से चलने वाला डस्टर आदि।

सावधानियाँ :

१. खाद्य पदार्थ एवं पशु आहार से दूर रखें। त्वचा सम्पर्क से बचें।

२. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

३. यदि आंखे दूषित हो जाये तो उनको काफी मात्रा में सैलाइन-

साफ पानी से लगभग १०-१५ मिनट तक धोएं।

४. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

५. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

६. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

७. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

८. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

९. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

१०. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

११. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

१२. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

१३. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

१४. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

१५. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

१६. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

१७. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

१८. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

१९. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

२०. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

२१. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

२२. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

२३. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

२४. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

२५. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

२६. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

२७. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

२८. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

२९. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

३०. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

३१. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

३२. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

३३. यदि निगल जाये तो उल्टी न करायें और मुँह के द्वारा दूषित कपड़े उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

३४. यदि निगल जाये त

